Toppersnotes
Unleash the topper in you

H - TET

PRIMARY TEACHER (PRT)

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा

प्राथमिक स्तर

भाग - 2

हिन्दी

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

1.	अपठित गद्यांश	1
2.	हिन्दी भाषा मुख्य तथ्य	12
3.	वर्णमाला	22
4.	विराम चिन्ह	29
5.	शब्द भेद	30
6.	संधि	39
7.	समास	48
8.	संज्ञा	53
9.	सर्वनाम	55
10.	विशेषण	56
11.	क्रिया	57
12.	वाच्य	59
13.	काल	60
14.	अव्यय	61
15.	अलंकार	63
16.	रस	59
17.	छंद	74
18.	पर्यायवाची शब्द	78
19.	विलोम शब्द	80
20.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	82
21.	वर्तनी	85
22.	रचना व रचनाकार	87
23.	मुहावरे	96
24.	लोकोक्ति	98

Hindi Pedagogy

1. भाषा 111
2. भाषा अधिगम व भाषा अर्जन 113
3. व्याकरण शिक्षण 116
4. भाषा शिक्षण के सिद्धान्त 119
5. भाषा शिक्षण के सूत्र एवं विधियाँ 122
6. भाषा कौशल एवं इसके प्रकार 127
7. भाषायी विविधता वाले कक्षा कक्ष की चुनौतियाँ 143
8. मूल्यांकन विधियाँ 147
9. अध्ययन–अध्यापन हेतु सहायक सामग्री 152

Hindi Grammar and Comprehension

अपठित गद्यांश

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 1 से 7) में सबसे उचित विकल्प चुनिए –

मनु बहन ने पूरे दिन की डायरी लिखी, लेकिन एक जगह लिख दिया, ''सफाई वगैरह की ।''

गाँधी जी प्रतिदिन डायरी पढकर उस पर अपने हस्ताक्षर करते थे । आज की डायरी पर हस्ताक्षर करते हुए गाँधी जी ने लिखा, ''कातने की गति का हिसाब लिखा जाए । मन में आए हुए विचार लिखे जाएँ । जो-जो पढा जो, उसकी टिप्पणी लिखी जाए । 'वगैरह' का उपयोग नहीं होना चाहिए । डायरी में 'वगैरह' शब्द के लिए कोई स्थान नहीं है ।''

जिसने जो पढा हो, वह लिखा जाए । ऐसा करने से पढा हुआ कितना पच गया है, यह मालूम हो जाएगा । जो बातें हुई हों वे लिखी जाएँ । मनु ने अपनी गलती का अहसास किया और डायरी विधा की पवित्रता को समझा ।

गाँधी जी ने पुनः मनु से कहा – ''डायरी लिखना आसान कार्य नहीं है । यह इबादत करने जैसे विधा है । हमें शुद्ध व सच्चे रूप से प्रत्येक छोटी-बडी घटना को निष्पक्ष रूप से लिखना चाहिए चाहे कोई बात हमारे विरूद्ध ही क्यों न जा रही हो । इससे हममें सच्चाई स्वीकार करने की शक्ति प्राप्त होगी ।''

(गाँधी जी के रोचक संस्मरण)

1. मनु को अपनी किस गलती का अहसास हुआ ?

(A) उन्होंने डायरी में सही-सही बातें लिखी थी

(B) उन्होंने डायरी में 'वगैरह' शब्द का प्रयोग किया था

(C) उन्होंने गाँधी जी की बात नहीं मानी थी

(D) मनु ने डायरी में कातने की गति का हिसाब लिखा था ।

Ans. (B)

2. गाँधी जी ने ''वगैरह'' शब्द पर अपनी आपत्ति क्यों जताई ?

(A) 'वगैरह' शब्द में कार्य और विचार की स्पष्टता नहीं है

(B) वे चाहते थे कि बातों को ज्यों-का-त्यों लिखा जाए

(C) 'वगैरह' शब्द की जगह 'आदि' शब्द का प्रयोग सही है

(D) गाँधी जी चाहते थे कि सही भाषा का प्रयोग हो

Ans. (A)

3. गाँधी जी ने डायरी लिखने को इबादत करने जैसा क्यों कहा है ?

(A) दोनों कार्य रोज किए जाते है

(B) दोनों में सच्चाई और ईमानदारी चाहिए

(C) दोनों में समय लगता है

(D) दोनों कार्य हमारे कर्तव्यों में शामिल है

Ans. (B)

4. डायरी लिखना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि –

(A) गाँधी जी इसे महत्वपूर्ण मानते है

(B) इससे व्यक्ति का समय अच्छा गुजर जाता है

(C) इसमें व्यक्ति स्वयं का विश्लेषण करता है और स्व-मूल्यांकन भी करता है ।

(D) इससे व्यक्ति पूरे दिन किए गए जमा-खर्च का हिसाब-किताब कर सकता है

Ans. (C)

5. गाँधी जी प्रतिदिन डायरी पढकर क्या करते थे ?

(A) डायरी पर हस्ताक्षर करते थे और यह देखते थे कि व्यक्ति अपने कार्य और विचार में किस दिशा में जा रहा है

(B) हस्ताक्षर करते थे ताकि जाँच का प्रमाण दिया जा सके

(C) हस्ताक्षर करते थे क्योंकि यह नियम था

(D) लोगों को उनकी गलती का अहसास कराते थे

Ans. (A)

6. 'प्रतिदिन' शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) द्विगु समास

(B) तत्पुरूष समास

(C) द्वंद्व समास

(D) अव्ययीभाव समास

Ans. (D)

7. 'पढा हुआ कितना पच गया है' का अर्थ है -

(A) पढा हुआ कितना समझ में आया है

(B) पढा हुआ कितना आत्मसात् किया है

(C) कितना सही उच्चारण के साथ पढा है

(D) पढे हुए का कितना विश्लेषण किया है

Ans. (B)

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 8 से 13) में सबसे उचित विकल्प चुनिए -

लोक कथाएँ हमारे आम जीवन में सदियों से रची-बसी हैं । इन्हें हम अपने बडे-बूढों से बचपन से ही सुनते आ रहे हैं । लोक कथाओं के बारे में यह भी कहा जाता है । कि बचपन के शुरूआती वर्षो में बच्चों को अपने परिवेश की महक, सोच व कल्पना की उडान देने के लिए इनका उपयोग जरूरी है । हम यह भी सुनते है कि बच्चों के भाषा के विकास के संदर्भ में भी इन कथाओं की उपयोगिता महत्वपूर्ण है । ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन लोक कथाओं के विभिन्न रूपों में हमें लोक जीवन के तत्व मिलते हैं जो बच्चों के भाषा विकस में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं । इसर हम अपनी पढी हुई लोक कथाओं को याद करें तो सहजता से हमें इनके कई उदाहरण मिल जाते हैं । जब हम कहानी सुना रहे होते हैं तो बच्चों से हमारी यह अपेक्षा रहती है कि वे पहले घटी घटनाओं को जरूर दोहराएँ । बच्चे भी घटना को याद रखते हुए साथ-साथ मजे से दोहराते हैं । इस तरह कथा सुनाने की इस प्रक्रिया में बच्चे इन घटनाओं को एक क्रम में रखकर देखते है । इन क्रमिक घटनाओं में एक तर्क होता है जो बच्चों के मनोभावों से मिलता-जुलता है ।

(क्या बताती हैं लोक कथाएँ - कमलेश चंद्र जोशी)

8. लोक कथाओं में शामिल है -

(A) लोक कल्पना

(B) लोक जीवन के रंग

(C) लोक की उडान

(D) घटनाएँ

Ans. (B)

9. लोक कथाओं में किस परिवेश की महक की बात की गई है ?

(A) बच्चों के आस-पास मौजूद परिवेश की

(B) शहरी परिवेश की

(C) विद्यालयी परिवेश की

(D) ग्रामीण परिवेश की

Ans. (A)

10. बच्चों से हमारी क्या अपेक्षा रहती है ?

(A) वे कहानी की घटनाओं को याद रखें ताकि आगे की कहानी से जुडा जा सके

(B) कहानी सुनना

(C) घटनाओं की भाषा को समझना

(D) वे कहानी में मजे लें

Ans. (A)

11. अनुच्छेद के आधार पर कहा जा सकता है कि इसका मुख्य बिन्दु है –

(A) लोक कथाओं में लोक तत्व होता है

(B) लोक कथाओं के माध्यम से कल्पना, तर्क और भाषा का विकास किया जा सकता है

(C) कहानी में याद रखना जरूरी है

(D) लोक कथाएँ हमारे जीवन का हिस्सा है

Ans. (B)

12. 'परिवेश की महक' पद का अर्थ है –

(A) परिवेश की गंध

(B) परिवेश की विशिष्टताएँ, सीमाएँ

(C) परिवेश की कहानियाँ

(D) परिवेश की खुशबू

Ans. (B)

13. 'कहानी की क्रमिक घटनाओं में एक तर्क होता है जो बच्चों के मनोभावों से मिलता-जुलता है ।' वाक्य किस ओर संकेत करता है ?

(A) बच्चे भी कहानी के बारे में लगभग उसी तरह सोचते है जिस तरह कहानी में घटनाएँ घटती है

(B) कहानियों में एक क्रम होता है

(C) बच्चे भी कहानी के क्रम में ही सोचते है

(D) कहानियाँ बच्चों की मानसिक दशा को दर्शाती है

Ans. (A)

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 14 से 19) में सबसे उचित विकल्प चुनिए –

गाँधी जी मानते थे कि सामाजिक या सामूहिक जीवन की ओर बढने से पहले कौटुम्बिक जीवन का अनुभव प्राप्त करना आवश्यक है । इसलिए वे आश्रम-जीवन बिताते थे । वहाँ सभी एक भोजनालय में भोजन करते थे । इससे समय और धन तो बचता ही था, सामूहिक जीवन का अभ्यास भी होता था । लेकिन यह सब होना चाहिए, समय-पालन, सुव्यवस्था और शुचिता के साथ ।

इस ओर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए गाँधी जी स्वयं भी सामूहिक रसोईघर में भोजन करते थे । भोजन के समय दो बार घंटी बजती थी । जो दूसरी घंटी बजने तक भोजनालय में नहीं पहुँच पाता था, उसे दूसरी पंक्ति के लिए बरामदे में इंतजार करना पडता था । दूसरी घंटी बजते ही रसोईघर का द्वार बंद कर दिया जाता था, जिससे बाद में आने वाले व्यक्ति अंदर न आने पाएँ ।

एक दिन गाँधी जी पिछड गए । संयोग से उस दिन आश्रमवासी श्री हरिभाऊ उपाध्याय भी पिछड गए । जब वे वहाँ पहुँचे तो देखा कि बापू बरामदे में खडें हैं । बैठने के लिए न बैंच है, न कुर्सी । हरिभाऊ ने विनोद करते हुए कहा, ''बापूजी आज तो आप भी गुनहगारों के कठघरे में आ गए हैं ।''

गाँधी जी खिलखिलाकर हँस पडें । बोले ''कानून के सामने तो सब बराबर होते हैं न ?''

हरिभाऊ जी ने कहा, ''बैठने के लिए कुर्सी लाऊँ बापू ? ''गाँधी जी बोले,'' नहीं इसकी जरूरत नहीं हैं । सजा पूरी भुगतनी चाहिए । उसी में सच्चा आनंद है ।''

(स्त्रोत : गाँधी जी के रोचक संस्मरण –

डॉ. कृष्णवीर सिंह)

14. गाँधी जी ने किस बात की पूरी सजा भुगतने की बात की ?

(A) आश्रम–जीवन बिताने की

(B) गलत नियम बनाने की

(C) देर से रसोईघर में पहुँचने की

(D) सामूहिक जीवन की

Ans. (C)

15. सामूहिक जीवन बिताने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है –

(A) समान विचारधारा होना

(B) समूह के सदस्यों की आपसी प्रतिस्पर्धा

(C) समूह के लिए बनाए गए नियमों का पालन

(D) सब समान स्तर के हों

Ans. (C)

16. ''कानून के सामने तो सब बराबर होते हैं न ?'' गाँधी जी का यह कथन इस ओर संकेत करता है। कि –

(A) गाँधी जी पूरी ईमानदारी से नियमों का पालन करने में विश्वास रखते थे

(B) कानून के हाथ लंबे होते हैं

(C) गाँधी जी झेंप गए थे

(D) कानून किसी तरह का भेदभाव नहीं करता

Ans. (D)

17. दूसरी घंटी के बाद रसोईघर का दरवाजा क्यों बंद कर दिया जाता था ?

(A) ताकि लोग एकाध दिन उपवास कर सकें

(B) ऐसा गाँधी जी का निर्देश था

(C) ताकि लोग समय से भोजन करें और नियम का पालन भी

(D) ताकि लोग अंदर न आ सकें

Ans. (C)

18. सभी भोजनालय में एक साथ भोजन करते थे । इससे –

(A) सामूहिक जीवन का महत्व पता चलता था

(B) केवल धन की बचत होती थी

(C) सुव्यवस्था रहती थी

(D) गाँधी जी और हरिभाऊ जी को बहुत असुविधा हुई

Ans. (A)

19.'शुचिता' शब्द का क्या अर्थ है ?

(A) पवित्रता

(B) निर्मलता

(C) सरलता

(D) निष्पक्षता

Ans. (A)

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 20 से 26) में सबसे उचित विकल्प चुनिए –

मुझे मालूम नहीं था कि भारत में 'तिलोनिया' नाम की कोई जगह है जहाँ हमारे देश के समसामयिक इतिहास का एक विस्मयकारी पन्ना लिखा जा रहा है । उस वक्त तक तिलोनिया के बारे में मुझे इतनी ही जानकारी थी कि वहाँ पर एक स्वावलंबी विकास-केंद्र चल रहा है, जिसे स्थानीय ग्रामवासी, स्त्री-पुरूष मिलजुलकर चला रहे हैं । जिसे स्थानीय ग्रामवासी, स्त्री-पुरूष मिलजुलकर चला रहे हैं, मुझे वहाँ जाने का अवसर मिला । बस्ती क्या थी, कुछ पुराने और कुछ नए छोटे-छोटे घरों का झरमट थी ।

वहाँ एक सज्जन ने बताया कि एक सुशिक्षित तथा उसके दो साथियों टाइपिस्ट तथा फोटोग्राफर ने मिलकर 1972 में इस संस्थान की स्थापना की थी ।संस्थान का नाम था – सामाजिक कार्य तथा शोध – संस्थान (एस. डब्ल्यू. आर. सी) ।

मेरे मन में संशय उठने लगे थे । आज के जमाने में वैज्ञानिक उपकरणों और जानकारी के बल पर ही तरक्की की जा सकती है । उससे कटकर और अवहेलना करते हुए नहीं की जा सकती । एक पिछडे हुए गाँव के लोग अपनी समस्याएँ स्वयं सुलझा लेंगे, यह नामुमकिन था । वह सज्जन कहे जा रहे थे ''हमारे गाँव आज नहीं बसे हैं । इन गाँवो में शताब्दियों से हमारे पूर्वज रहते आ रहे हैं । पहले जमाने में भी हमारे लोग अपनी सूझ और पहलकदमी के बल पर ही अपनी दिक्कतें सुलझाते रहे होंगे । जरूरत इस बात की है कि हम शताब्दियों की इस परंपरागत जानकारी को नष्ट न होने दें । उसका उपयोग करें । '' फिर मुझे समझाते हुए बोले'' हम बाहर की जानकारी से भी पूरा-पूरा लाभ उठाते हैं, पर मूलतः स्वावलंबी बनना चाहते हैं, स्वावलंबी, आत्मनिर्भर ।'' मुझे बार – बार गाँधी जी के कथन याद आ रहे थे । मैंने गाँधी जी का जिक्र किया तो वह बडे उत्साह से बोले – ''आपने ठीक ही कहा है । यह संस्थान गाँधी जी की मान्यताओं के अनुरूप ही चलता है – सादापन, कर्मठता, अनुशासन, सहाभागिता । यहाँ सभी निर्णय मिल-बैठकर किए जाते है । आत्मनिर्भरता ।'' आत्मनिर्भरता से मतलब कि ग्रामवासियों की छिपी क्षमताओं को काम में लाया जाना है और गाँधी जी के अनुसार, ग्रामवासी अपनी अधिकांश बुनियादी जरूरत की वस्तुओं का उत्पादन स्वयं करें.....।

(एक तीर्थ यात्रा, स्त्रोत : भीष्म साहनी)

20. सामाजिक कार्य तथा शोध – संस्थान की स्थापना का उद्देश्य था –

(A) ग्रामवासियों को देश–विदेश की जानकारी प्रदान करना
(B) उन्हें केवल अनुशासित करना
(C) उन्हें स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना
(D) उन्हें प्राचीन परंपराओं से परिचित कराना

Ans. (C)

21. लेखक का मानना था –

(A) आधुनिक समय में वैज्ञानिक उपकरणों और जानकारी के बल पर ही तरक्की नहीं की जा सकती है ।

(B) ग्रामवासी अपनी समस्याएँ स्वयं सुलझा सकते हैं

(C) ग्रामवासियों को अपनी समस्याएँ स्वयं सुलझाने की आदत है

(D) आधुनिक समय में वैज्ञानिक उपकरणों और जानकारी से कटकर या उसकी अवहेलना करके तरक्की नहीं की जा सकती है

Ans. (D)

22. संस्थान के निर्णय और संचालन में आधारभूत भूमिका इनमें से किसकी है ?

(A) संस्थापक की
(B) केवल गरीब और दलित महिलाओं की
(C) उस गाँव में रहने वाले सभी लोगों की
(D) गाँव – प्रधान की

Ans. (C)

23. 'आत्म' उपसर्ग किस शब्द में नहीं है ?

(A) आत्मनिर्भर (B) आत्मसम्मान

(C) आत्मीय (D) परमात्मा

Ans. (D)

24. लेखक के अनुसार 'तिलोनिया' गाँव में हमारे देश के आजकल के इतिहास का विस्मयकारी पन्ना लिखा जा रहा है । इसका कारण है –

(A) 'तिलोनिया' गाँव पिछड़े गाँव के रूप में जाना जाता है

(B) वहाँ एक स्वावलंबी विकास–केंद्र चल रहा है

(C) वहाँ के लोग अनुदान पर आश्रित हैं

(D) केन्द्र में इतिहास पर विस्मयकारी शोध किया जा रहा है

Ans. (B)

25. 'शताब्दी'.....समास का उदाहरण है ।

(A) बहुव्रीहि (B) द्विगु

(C) तत्पुरूष (D) अव्ययीभाव

Ans. (B)

26. गाँधी जी .....को मान्यता नहीं देते हैं ।

(A) आत्मनिर्भरता
(B) कर्मठता
(C) अकर्मण्यता
(D) सादापन

Ans. (C)

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 27 से 32) में सबसे उचित विकल्प चुनिए –

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ की हड्डी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड जाते हैं जीवन–भर वही संस्कार अमिट रहते हैं । इसीलिए यही काल आधारशिला कहा गया है । यदि यह नींव दृढ बन जाती है तो जीवन सुदृढ और सुखी बन जाता है । यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुंदर बनता है । यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है । जिस वृक्ष को प्रारंभ से सुदंर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है । इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है । सभ्य नागरिक के लिए जिन–जिन गुणों की आवश्यकता है उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है । यहाँ पर अपने साथियों के बीच रह कर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक है, जिनकी कि विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है ।

27. मानव जीवन की रीढ की हड्डी विद्यार्थी जीवन को क्यों माना जाता है ?

(A) पूरा जीवन विद्यार्थी जीवन पर चलता है

(B) जो संस्कार विद्यार्थी जीवन में पड जाते है वे संस्कार स्थायी हो जाते है

(C) विद्यार्थी जीवन सुखी जीवन होता है

(D) विद्यार्थी जीवन में ज्ञान मिलता है

Ans. (B)

28. गद्यांश में वृक्ष किसे कहा गया है ?

(A) पेड को (B) विद्यार्थी को

(C) जीवन को (D) समय को

Ans. (B)

29. गद्यांश के आधार पर कहा जा सकता है कि –

(A) विद्यार्थी जीवन में व्यक्ति अनेक गुणों को धारण कर लेता है

(B) विद्यार्थी जीवन के लिए सुंदर पाठशाला की आवश्यकता होती है

(C) कष्ट सहन करने से सेहत बनती है

(D) वृक्षों को सींचना पर्यावरण के लिए आवश्यक है

Ans. (A)

30. गद्यांश में आदर्श विद्यार्थी के किन गुणों की चर्चा की गई है ?

(A) नियमावली का पालन

(B) ज्ञान प्राप्ति हेतु ध्यान की आवश्यकता की

(C) नियमन

(D) व्यायाम

Ans. (A)

31. 'संसार को सौरभ' देने का अर्थ है –

(A) संसार में सुगंध फैलाना

(B) संसार को बेहतर बनाना

(C) संसार में पेड लगाना

(D) संसार को सुगंधित द्रव्य देना

Ans. (B)

32. किन शब्दों में 'इत' प्रत्यय है ?

(A) पुष्पित, पल्लवित

(B) पुष्पित, सिंचन

(C) नागरिक, पल्लवित

(D) मानसिक, नागरिक

Ans. (A)

निर्देश : गद्यांश को पढकर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 33 से 37) में सबसे उचित विकल्प चुनिए –

हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे हैं या नए वर्ष के आगमन के रूप में, फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हो या महापुरूषों की याद में, सभी देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करते हैं । ये त्योहार जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं, ये हमारे अंदर देश–भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ–साथ, विश्व–बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढाते हैं । इनके द्वारा महापुरूषों के उपदेश हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ सकते हैं । इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी संदेश मिलता है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग–अलग हैं ।

33. त्योहारों का मानना किससे संबंधित है ?

(A) सांस्कृतिक विविधता

(B) फसल

(C) विश्व बंधुत्व

(D) एकरसता से छुटकारे

Ans. (A)

34. 'अलग–अलग तरीके' के माध्यम से किस ओर संकेत किया गया है ?

(A) अलग–अलग रास्ते

(B) अलग–अलग उपाय

(C) विभिन्न संप्रदाय

(D) विभिन्न पूजा–स्थल

Ans. (C)

35. निम्नलिखित में से कौन–सा त्योहार किसी महापुरूष से नहीं जुडा है ?

(A) शिक्षक दिवस

(B) बाल दिवस

(C) गाँधी जयंती

(D) गणतंत्र दिवस

Ans. (D)

36. त्योहार राष्ट्र को क्या लाभ पहुँचाते हैं ?

(A) राष्ट्र खुश रहता है

(B) सभी मिल–जुल कर रहते हैं

(C) सभी एक ही धर्म का अनुगमन करते हैं

(D) राष्ट्र की आर्थिक हालत सुधरती है

Ans. (B)

37. 'देशभक्ति' में कौन–सा समास है ?

(A) कर्मधारय समास

Hindi Padagogy

Toppersnotes
Unleash the topper in you

भाषा

① औपचारिक भाषा

① विद्यालय में प्रयोग होने वाली भाषा।

② जो लोग के पढ़े-लिखे समाज द्वारा स्वीकृत भाषा।

② अनऔपचारिक भाषा

① घर-परिवार की भाषा जो माता-पिता समाज, पड़ोस, परिवेश, जनसंचार द्वारा उपयोग में लायी जाती है उसे अनौपचारिक भाषा कहते हैं।

③ राष्ट्रभाषा → हि भाषा की कोई भी राष्ट्रभाषा नहीं है क्योंकि भारत बहुभाषायी देश है। यहाँ विभिन्न प्रकार के लोक निवास करते हैं और उनके द्वारा अलग-2 प्रकार की भाषाओं का प्रयोग किया जाता है।
(लोकभाषा) (लिंग्वा फ्रांका)

④ राजभाषा → अर्थ = "सरकारी काम काज की भाषा" हमारी राजभाषा 'हिन्दी' है भारत में संविधान के अनुच्छेद 343(1), भाग-17 के अनुसार हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया जिसके द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।

★ 14 - सितम्बर 1949 को निर्णय लिया गया की हिन्दी भारत संघ की राजभाषा होगी और 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

⑤ राज्यभाषा → जिस प्रदेश की राज्य सरकार द्वारा उस राज्य के अंतर्गत प्रशासनिक कार्यों को सम्पन्न करने के लिये जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है उसे राज्यभाषा कहा जाता है।

मातृभाषा ⇒ घर-परिवार, माता पिता, आस पड़ोस, जिस परिवेश में निवास करते हैं वहाँ उपयोग में लायी जाने वाली भाषा मातृभाषा होती है बच्चे सर्वप्रथम मातृभाषा का ज्ञान अर्जित करते हैं अतः उनकी यह प्रथम भाषा होती है।

① मातृभाषा से ही बच्चे का मस्तिष्क सबसे पहले क्रियाशील होता है।

② मातृभाषा विचार विनिमय और शिक्षा ग्रहण करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है।

③ प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिये।

हिन्दी भाषी राज्य →

1. उत्तर प्रदेश
2. मध्य प्रदेश
3. हिमाचल प्रदेश
4. बिहार
5. हरियाणा
6. राजस्थान
7. छत्तीसगढ़
8. दिल्ली
9. झारखण्ड
10. उत्तराखण्ड
11. अण्डमान निकोबार

महत्वपूर्ण तथ्य –

① भाषा सम्प्रेषण का सर्वप्रथम माध्यम है।

② भाषा का प्रभाव जटिलता से सरलता की ओर देखा जाता है।

③ भाषा स्मृतिकोष / शब्दकोष का भी काम करती है।

④ भाषा पूर्ण सम्पत्ति नहीं है और यह नियम बद्ध तथा इसकी भौगोलिक सीमा होती है।

⑤ संयुक्त परिवार में बच्चे का भाषा विन्यास एकल परिवार की तुलना में अच्छा होता है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

भाषा अधिगम और भाषा अर्जन

भाषा → "भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को एक दूसरे के सामने व्यक्त करते हैं। भाषा मुख से उच्चारित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है जिनके द्वारा मन की बात बतलाई जाती है सामान्यता भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जाता है"

भाषा का आरंभ मानव के जन्म के साथ ही हो जाता है। विभिन्न भाषा कौशल जैसे सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना को पूरा करते हुये व्यक्ति भाषा में निपुणता प्राप्त करता है भाषा ग्रहण करने की एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

अर्थ – भाषा संस्कृत की "भाष्" धातु से उत्पन्न हुई है जिसका अर्थ है – बोलना

भाषा की प्रकृति →

1. भाषा संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी होती है
2. भाषा में सीमा बद्धता होती है।
3. प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे – हिंदी = देवनागरी लिपि अंग्रेजी = रोमन, उर्दू = फारसी।
4. भाषा अनुकरण से सीखी जाती है।
5. भाषा एक अर्जित संपत्ति है जिसे प्रयोग के माध्यम से हम गृहण कर सकते है, और इसे आदान-प्रदान करके इसका विस्तार होता है अतः यह पैतृक नही है।
6. भाषा एक सामाजिक एवं परंपरागत वस्तु है।
7. भाषा में निरंतर परिवर्तन होता रहता है अतः यह परिवर्तनशील है।
8. भाषा कठिनता से सरलता की ओर अग्रसर है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

भाषा अर्जन

अर्जन का अर्थ है = "अर्जन मतलब किसी भी भाषा को व्यक्ति स्वयं के प्रयासों द्वारा अर्जित कर सकता है तथा भाषा एक अर्जित संपत्ति है।"

1. बालक अपने चारों ओर के वातावरण में जिस प्रकार लोगों को बोलते हुये सुनता है एवं लिखते हुये देखता है उसी की अनुकरण (नकल) द्वारा सीखने का प्रयत्न करता है। अर्थात भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है।

2. भाषाई योग्यता एक कौशल है, जिसे अर्जित किया जाता है। अर्जन की प्रक्रिया बालक के जन्म से प्रारम्भ होती है।

3. भाषा अर्जन में अभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

4. भाषा अर्जन द्वारा बालक अपनी प्रथम भाषा को सीखता है जो उसकी मातृ भाषा होती है।

5. भाषा अर्जन एक अवचेतन प्रक्रिया है भाषा सीखने वाले सामानता इस बात से अभिज्ञ होते हैं की वो भाषा सीख रहे हैं।

6. भाषा अर्जन का अर्थ है भाषा को अप्रत्यक्ष अनौपचारिक और स्वभाविक रूप से सीखना।

चॉमस्की के अनुसार, "बच्चे भाषा अपने वातावरण से अर्जित करते हैं उनके अंदर जन्मजात भाषा अर्जन युक्ति होती है"

भाषा अधिगम

भाषा, अधिगम का अर्थ है - सीखना.

* अधिगम एक मानसिक प्रक्रिया है जो जन्म से मृत्यु तक अत: जीवन भर चलती रहती है।
* अधिगम मे बालक परिपक्वता की ओर बढ़ता है।
* सीखना अनुभव द्वारा मनुष्य के व्यवहार में परिवर्तन है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

परिभाषा –

क्रो एवं क्रो के अनुसार, "सीखना आदतों ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन है।"

गेट्स के अनुसार, "अनुकूलित अनुक्रिया के परिणाम स्वरूप आदत का निर्माण ही अधिगम है।"

गेट्स के अनुसार, "अनुभव द्वारा व्यवहार में रूपांतर लाना ही अधिगम है।"

गुडएर्थ के अनुसार, "सीखना विकास की प्रक्रिया है"

विशेषताएं →

1. सीखने की प्रक्रिया जन्म से मृत्यु तक अर्थात् जीवन भर चलती है।
2. सीखना परिवर्तन है – व्यक्ति अपने और दूसरों के अनुभव से सीख कर व्यवहार विचारों इच्छाओं भावनाओं आदि में परिवर्तन करता है।
3. सीखना सार्वभौमिक (Universal) है सभी जीव-जन्तु सीखते हैं।
4. सीखना अनुभव का संगठन है सीखना नए पुराने अनुभवों का संगठन है।
5. सीखना व्यक्तिगत एवं सामाजिक दोनों है।
6. भाषा अधिगम में भाषा का औपचारिक ज्ञान / प्रत्यक्ष रूप से सीखना शामिल होता है।

Note – भाषा अधिगम में उन छात्रों को कठिनाई नहीं आती जिनका मानसिक स्वास्थ्य ठीक हो यदि उनका स्वभाव संकोची और आत्मविश्वास कम हो तब उन्हें भाषा सीखने में कठिनाई होगी।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

व्याकरण शिक्षण

व्याकरण का शुद्ध प्रयोग करना एक कला है।
जिसके चार कौशलो का होना अनिवार्य है जो निम्न प्रकार से है—

1. पढना
2. लिखना
3. बोलना
4. सुनना

* किन्तु भाषा कौशल के आ जाने से बालक केवल अर्थ और भाव की ग्रहण कर पाता है वह भाषा को शुद्ध नही कर पाता है।
अत: भाषा में शुद्धता लाने के लिये व्याकरण शिक्षण की आवश्यकता होती है। * क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।
    * वह दैनिक जीवन में आदान-प्रदान करने के लिये भाषा का प्रयोग करता है।
    * भाषा की मितव्यता व्याकरण के माध्यम से आती है।
    * भाषा को एक निश्चित रूप देने के लिये हम लोग व्याकरण का प्रयोग करते है।

<u>परिभाषा</u> — "भाषा के रूप की शुद्ध व्यवस्था ही व्याकरण है"।
— <u>वह्यूम फीत्ज</u>

"प्रचलित भाषा सम्बन्धी नियमों की शुद्ध व्यवस्था ही व्याकरण है"
— <u>डॉ. आग्र</u>

व्याकरण के शिक्षण उद्देश्य →

① भाषा के शुद्ध रूप को समझने एवं उसमें स्थायित्व लाने के लिये।

② छात्रो की ध्वनियो, ध्वनियो के सूक्ष्म अन्तर एवं उच्चारण के नियमो का ज्ञान कराना।

③. भाषा की भौगोलिक सीमा होती है और उसका उल्लंघन होने से बचाने के लिये।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

④ विद्यार्थियों में रचना तथा सृजनात्मक प्रवृत्ति का निर्माण, चिन्तन एवं तर्क क्षमता का विकास, कम शब्दों में शुद्धतापूर्वक अपने भावों को व्यक्त करना अपनी अशुद्धता को समझने तथा उसको शुद्धीकरण की स्थायित्व में लाने का विकास करती है।

⑤ भाषा के व्याकरण संगत रूप से सुरक्षित रखना।

व्याकरण के भेद

व्याकरण के दो भेद होते हैं।

1. औपचारिक व्याकरण
2. अनौपचारिक व्याकरण

1. औपचारिक व्याकरण → जब बच्चों को पाठ्य पुस्तक की सहायता से विधिवत ढंग से क्रमपूर्वक व्याकरण के नियमों, उपनियमों, नेक भेदों तथा उपभेदों का ज्ञान कराया जाता है।

2. अनौपचारिक व्याकरण → बच्चों में भाषा सीखना अनुकरण विधि द्वारा होता है वे दूसरों की नकल करके भाषा सीखते हैं।

व्याकरण शिक्षण की विधियाँ →

व्याकरण शिक्षण के लिये निम्नलिखित विधियाँ हैं।

1. आगमन विधि → इस विधि में हम पहले उदाहरणों को तथा फिर नियमों के द्वारा पढ़ते हैं अतः हम उदाहरणों से समान सिद्धान्त निकालते हैं। इस विधि में हम ज्ञात से अज्ञात की ओर, सरल से कठिन की ओर और स्थूल से सूक्ष्म की ओर चलते हैं।